

# ផ្នែកទី១

## ការស្តារឡើងវិញ

### ដោយលោកគ្រូគង្វាល៖ ខាល ហ្គាស៊ីវៀ

នេហេមា ២៖១១-១៨, ៦៖៩

១. ការសង់កំពែងក្រុងយេរូសាឡឹមឡើងវិញស្របនឹងកិច្ចការរបស់ព្រះវិញ្ញាណដ៏វិសុទ្ធនៅក្នុងជីវិតរបស់អ្នកជឿ

ក. ព្រលឹងរបស់យើងបានកើតជាថ្មី (ទីតុស ៣៖៥)

---

---

---

---

---

---

---

---

ខ. កែប្រែចិត្តគំនិតអោយទៅជាថ្មីទាំងស្រុង (រ៉ូម ១២៖២)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

គ. អារម្មណ៍ដែលស្តារឡើងវិញ ( លូកា ៤:១៨ )

---

---

---

---

---

---

---

---

ឃ. ការស្តារសុខភាពរាងកាយឡើងវិញ ( ម៉ាថាយ ៤:៣៦ )

---

---

---

---

---

---

---

---

២. កិច្ចការភ្លាមៗនៃព្រះវិញ្ញាណដ៏វិសុទ្ធជានានូវទីតាំងរបស់យើងនៅក្នុងព្រះយេស៊ូគ្រីស្ទភ្លាមៗ ប៉ុន្តែកិច្ចការនៃការស្តារឡើងវិញ ការព្យាបាល និងការនាំវិញ្ញាណ និងព្រលឹងរបស់ទៅក្នុងបំណងពេញលេញនៃព្រះ គឺជាដំណើរការមួយ។

---

---

---

---

---

---

---

---

---

៣. ដំណើរការនៃការកសាងឡើងវិញ

ក. កង្វល់

---

---

---

---

---

---

---

ខ. ការសារភាព

---

---

---

---

---

---

---

គ. ការប្តេជ្ញា

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

ឃ. ភាពក្លាហាន

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

៤. ជួសជុលច្រកទ្វារ

ក. ច្រកទ្វារចៀម

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

ខ. ច្រកទ្វារត្រី

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

គ. ច្រកទ្វារចាស់

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

ឃ. ច្រកទ្វារជ្រលងភ្នំ

---

---

---

---

---

---

---

---

ង. ច្រកទ្វារលាមកសត្វ

---

---

---

---

---

---

---

---

ច. ច្រកទ្វារប្រភពទឹក

---

---

---

---

---

---

ឆ. ច្រកទ្វារទឹក

---

---

---

---

---

---

ជ. ច្រកទ្វារខាងកើត

---

---

---

---

---

---

ឈ. ច្រកទ្វារសេះ

---

---

---

---

---

---



# វគ្គទី២

## បច្ចាមិត្ត!

### ដោយលោកគ្រូគង្វាល៖ ខាល ហ្គាស៊ីវៀ

នេហេមា ៤៖១-១១

១. ត្រៀមខ្លួនសម្រាប់ការប្រឆាំង៖

---

---

---

---

---

---

---

---

២. ការប្រឆាំងក្នុងទម្រង់នៃការរិះគន់

---

---

---

---

---

---

---

---

៣. ការវិភាគអ្នករិះគន់

ក. អ្នករិះគន់គឺជាមនុស្សដែលមានអារម្មណ៍ថាមានការគំរាមកំហែង

---

---

---

---

---

---

---

---



ខ. អ្នករិះគន់មានទស្សនៈបិទ

---

---

---

---

---

---

គ. អ្នករិះគន់ជាធម្មតាដំណើរការជាគូ ឬជាក្រុម

---

---

---

---

---

---

៤. វិធីដោះស្រាយជាមួយអ្នករិះគន់

ក. អធិស្ឋាន

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

ខ. អធិស្ឋានរំលឹកឡើងវិញពីព្រះបន្ទូលព្រះ

---

---

---

---

---

---

---

គ. បន្តសាងសង់

---

---

---

---

---

---

---

៥. និយាយអំពីអ្នកចោទប្រកាន់របស់បងប្អូន

ក. វិវរណៈ ១២៖១០

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

ខ. អារក្សមិនអាចចូលទៅកាន់បល្ល័ង្កនៃព្រះគុណរបស់ព្រះបានទេ ប៉ុន្តែតើអ្នកណាអាច ?

---

---

---

---

គ. សាតាំងអាចចូលទៅកាន់គំនិត និងពាក្យសម្តីរបស់យើង

---

---

---

---

---

---

ឃ. ព្រះទ្រង់ស្តាប់លឺនូវពាក្យរបស់អ្នកចោទប្រកាន់ ទោះបីការសន្ទនានោះនៅក្នុងការរក្សាការសម្ងាត់រវាងមិត្តភក្តិដែលទុកចិត្តគ្នាក៏ដោយ

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

៦. ការឆ្លើយតបការវាយប្រហារ

ក. កែតម្រូវ...ដោយរបៀបត្រឹមត្រូវ

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

ខ. ឈប់រិះគន់...ចាប់ផ្តើមអធិស្ឋាន

---

---

---

---

---

---

---

---

គ. អត់ទោស...ដូចព្រះយេស៊ូ

---

---

---

---

---

---

---

---

ឃ. បង្កើតបរិយាកាសនៃព្រះគុណ

---

---

---

---

---

---

ង. ទប់អណ្តាតរបស់អ្នក

---

---

---

---

---

---

ឈ. កុំចាប់ផ្តើមហិក្ខវិញ្ញាណជាមួយអារក្សដោយអចេតនា

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**ទំបន្ទាល់ពីលោកស្មេនលីហាវី៖**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**វគ្គទី៣**

**"ការបង្រៀនឡើងវិញ!"**

**ដោយលោកគ្រូគង្វាល៖ ខាល ហ្គានស៊ីវៀ**

នេហេមា ១៣៖៤-២៣

១. ការសម្របសម្រួលភាពជាដៃគូ (នេហេមា ១៣៖៤-៩)

ក. បញ្ហា

---

---

---

---

---

---

---

---

ខ. ការប្រតិកម្ម

---

---

---

---

---

---

---

---

គ. ការប្រតិបត្តិ

---

---

---

---

---

---

---

---

២. ការគ្រប់គ្រងហិរញ្ញវត្ថុមិនត្រឹមត្រូវ (នេហេមា ១៣៖១០-១៣)

ក. បញ្ហា

---

---

---

---

---

---

ខ. ការប្រតិកម្ម

---

---

---

---

---

---

គ. ការប្រតិបត្តិ

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



៣. រៀបចំអាទិភាពមិនត្រឹមត្រូវ (នេហេមា ១៣:១៥-២២)

ក. បញ្ហា

---

---

---

---

ខ. ការប្រតិកម្ម

---

---

---

---

---

---

គ. ការប្រតិបត្តិ

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

៤. ការមិនស្តាប់បង្គាប់ក្នុងស្រុក ( នេហេមា ១៣:២៣-២៨ )

ក. បញ្ហា

---

---

---

---

ខ. ការប្រតិកម្ម

---

---

---

---

---

---

គ. ការប្រតិបត្តិ

---

---

---

---

---

---

៥. ការយកឈ្នះលើភាពអសកម្ម

---

---

---

---

កត់ត្រា៖

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

